

तीर्थम् 3, 8029. कृतिकाङ्गारके zur Zeit der Vereinigung des Mars mit den Plejaden 13, 1708. मूलकृतिकान् (so ist wohl zu lesen) VER. 16, 18. Im sg.: त्रिदिवं कृतिका गता । नन्त्रं सप्तशीर्षाभं भाति तद्विद्वैदवत् MBh. 3, 14464. सापि तत्प्राणनादिव चित्रकेतोरधारयत् । गर्भकृत्युतिर्देवी कृतिकागोर्वात्मजम् ॥ Būāg. P. 6, 14, 30. Die appellative Bed. soll Wagen sein; vgl. den folg. Art. Der Form nach schliesst sich कृतिका an कृति an; vielleicht stellte man sich das Sternbild als Fell dar. — Vgl. कार्तिक, कार्तिकिक, कार्तिकेय.

कृतिकाञ्जि (कृतिका + 1. अञ्जि) adj. das Zeichen eines Wagens habend (nach dem Schol.) ÇAT. Br. 13, 4, 2, 4. KĀTJ. Çr. 20, 1, 34.

कृतिकाभव (कृ + भव) m. der Mond H. 10. ÇABDĀ. im ÇKDr.

कृतिकामुत (कृ + सुत Sohn) m. ein Bein. Skanda's H. 208.

कृतिर्य (कृ + र्य) m. N. pr. eines Fürsten R. GORR. 1, 73, 8.9. — Vgl. कीर्तिर्य.

कृतिवास m. = कृतिवासम् DVIRŪPAK. im ÇKDr. कृतिवासेश्चरसमुद्रव (kann auch eine unregelmässige Zusammenziehung von कृतिवासश्चर sein) Verz. d. B. H. 146, b, 14 v. u.

कृतिवासम् (कृति + वा) adj. subst. in ein Fell gehüllt, Beiw. und Bein. Rudra-Çiva's AK. 1, 1, 27. H. 198. VS. 3, 61 (vgl. ÇAT. Br. 2, 6, 2, 17). MBh. 2, 1642. 14, 204. KUMĀRAS. 1, 55. MĀLAV. 1. der Durgā HARIV. 3283.

कृत् (von 1. कृ) Uṇ. 3, 30. adj. thatkräftig, tüchtig; kunstreich, gewandt: कृषा कृत्वा शक्यते यत्ने अस्ति RV. 6, 18, 15. 2, 13, 10. सृष्टीव कृत्तुर्विज्ञं धामिनाम् 1, 92, 10. 8, 68, 1. 16, 4. Angeblich N. pr. eines Bhārgava, Verfassers von RV. 8, 68. ANUKR. — Vgl. सुव्रतकृत्.

कृत्यं (wie eben) P. 3, 1, 120. VOP. 26, 19. 1) adj. a) zu thun, = कार्य H. an. 2, 353. MED. j. 13. recht, angemessen; n. das Rechte, Angemessene: किं कृत्यामिति चित्तयन् R. 3, 60, 27. तथा विद्व्यां सुश्रोणि कृत्यमाश्रु MBh. in BENF. Chr. 53, 19. शीघ्रकृत्येषु कार्येषु विलम्बयति यो नरः PĀNĀT. III, 232. कृत्याकृत्यविधि SUÇR. 1, 86, 4. कृत्याकृत्यं न मन्येत तन्निषा युधि संगतः PĀNĀT. I, 309. कृत्याकृत्यविचक्षणं 59. SĪB. D. 1, 13. कृत्यम् mit einem instr. es ist um Etwas zu thun: न च मे वसन्तसेनाविरहितस्य जीवितेन कृत्यम् es ist mir nicht um das Leben zu thun MĀKĀU. 134, 3. स्थिरया यदि कृत्यं वो धुर्यरन्तिताया श्रिया VID. 69. न हि निष्पालस्यङ्गिः कृत्यमस्ति Sch. zu KĀTJ. Çr. 1, 2, 19. कृत्यतम was vor Allem zu thun ist, das Angemessenste: एतत्कृत्यतमं राजनस्माकम् MBh. 2, 2472. 3, 10280. 13, 2084. 2087. R. 5, 1, 85. अकृत्य n. Unrecht, Sünde: अकृते मरुदकृत्यमेतन् PĀNĀT. 128, 12. — b) der abtrünnig gemacht werden kann, bestechlich, verrätherisch, = भेद्यो धनादिभिः AK. 3, 4, 24, 160. = विद्विष H. an. = विद्विष्ट MED. तस्मिन्काले महीपालविग्रहानुग्रहस्तम् । नत्र तत्र पदातीनां कृत्यसंकृत्यभूकुलम् ॥ RĪĠA-TAR. 3, 247. Davon nom. abstr. कृत्यता f.: रिपवो विक्रमाक्रान्ता ये च स्वे कृत्यतां गताः — विषैर्निरुन्युर्निपुणं नृपतिं दुष्टचेतसः SUÇR. 2, 243, 6. fgg. — 2) m. a) (sc. प्रत्यय) die allgem. Bezeichnung für alle Suffize, welche zur Bildung des participii futuri passivi verwendet werden (तव्य, अनीय, य, एलिम u. s. w.): so benannt nach dem partic. fut. pass. einer sehr gebräuchlichen Verbalwurzel. P. 3, 1, 95. fgg. 4, 14. fg. 70 (vgl. 68). 3, 113. 163. fg. 169. fgg. 2, 1, 33. 43. 68. 3, 71. 6, 2, 2. 160. VĀRTT. 4 zu P. 6, 1, 144. AK. 3, 6, 8, 45.

H. Theil.

— b) eine Art Gespenst, allein und in Verbindung mit यत्न, मानुष, असुर u. s. w. BURN. Lot. de la b. l. 239. 420. BURNOUF nimmt an, dass कृत्या (vgl. 3, b) gelesen werden müsse. — 3) f. श्री P. 3, 3, 100. VOP. 26, 187. a) Handlung, That AK. 3, 4, 24, 160. TRIK. 3, 2, 1. H. an. MED. AV. 5, 9, 8. ब्राह्मणस्य रुजः कृत्या die Misshandlung eines Brahmanen M. 11, 67. संकरायात्रकृत्यासु मासे शोधनमैन्दवम् 125. — b) das Anthun, Bezeugung, Zauber; personif. eine Zauberin, eine böse Fee: कृत्येषा पदती भूय्या ज्ञाया विंशते पतिम् RV. 10, 83, 29. 28. VS. 5, 23. 33, 11. मृगीव कृत्या कर्तारमुच्छ्रुतु AV. 5, 14, 11. ग्रामे मासे कृत्या यो चक्रुः 4, 17, 4. 18, 2. 10, 1, 20. यः कुरुते कृत्यामात्मनः कुरुते KAUC. 6. ÇAT. Br. 2, 4, 2, 2. 13. 3, 5. 4, 2, 3. 4, 1, 5, 1. M. 9, 290. तानि (गेहानि) कृत्याकृत्यानीव विनश्यन्ति समस्ततः 3, 58. यामीशतानि गेहानि निकृतानीव कृत्यया । नैव भाति न वर्धते श्रिया हीनानि पार्थिव ॥ MBh. 13, 2490. पञ्चकल्पमथर्वाणां कृत्याभिः परिवर्तितम् 12, 13258. SUÇR. 1, 16, 14. 17, 20. 21, 14. कृत्यामसाधयत् KĀTJAS. 3, 121. तस्मादग्नेः समुत्तस्थौ कृत्या लोकभयं करी । तस्या नाम वषाद-भिर्न्यातुधानीत्यथाकरोत् ॥ MBh. 13, 4453. fg. 4474. fgg. कृतप्रतिश्रवे राशि विहारकृत्ये पुनः । प्रकृष्येत्फुल्लनयना कृत्यादेवी तिरादधे ॥ RĪĠA-TAR. 1, 146. fg. तथा (जटया) स निर्ममे तस्मै कृत्या कालानलोपमाम् Būāg. P. 9, 4, 46. 48. VP. 599, N. 5. Nach AK. 3, 4, 24, 160. H. an. und MED. = देवता; nach dem Schol. zu PRAB. 8, 16 = अभिचारेत्पन्नहिंसदेवता. — c) N. pr. eines Flusses VP. 182. — 4) n. a) Obiegenheit, Geschäft, Verrichtung AK. 3, 4, 26, 96. 18, 116. त्रिष्वेतेष्विति कृत्यं हि पुरुषस्य सनाप्यते M. 2. 237. 7, 67. 9, 297. अस्मिंस्तु तात कृत्ये मे साहाय्यं कर्तुमर्हसि R. 3, 44, 15. PĀNĀT. I, 122. यस्मिन्कृत्यं समावेश्य 106. ÇĀK. 80. 94. तत्कृत्यं विधाय VER. 9, 5. साहायकृत्यम् R. 4, 36, 8. पुत्रकृत्यमनुष्ठातुमर्हति (भवान्) ÇĀK. 30. 5. बन्धुकृत्यम् 103. MEDH. 112. राजकृत्यानि, पौरकृत्यानि PĀNĀT. 30, 11. 40, 14. आत्मकृत्य 117, 6. अन्योऽन्यकृत्यैः durch gegenseitige Dienstleistungen ÇĀK. 193. — b) Zweck, Bestimmung eines Dinges H. 1314. भोः किमागमने कृत्यम् MBh. 13, 2320. किमागमनकृत्यं ते 1964. 14, 2402. R. 6, 33, 18. अलिपाङ्कनेकशस्त्रव्या गुणकृत्ये धनुषो नियोजिता als Bogen-sehne verwendet KUMĀRAS. 4, 15. वंशकृत्य RAGH. 2, 12. एरण्डभिण्डार्कन-लैः प्रभूतिरापि संचितैः । दारुकृत्यं यथा नास्ति तथैवास्तिः प्रयेजनम् ॥ PĀNĀT. I, 108. अवतंसं DAÇAK. in BENF. Chr. 199, 3. — Vgl. अकृत्य, अर्थकृत्य, अर्थकृत्या, कर्मकृत्य, कु, कृत, पापकृत्या, पुण्य, प्रेत, माधु. कृत्यकल्पतरु (कृ + क) m. Titel eines juristischen Werkes Verz. d. B. H. No. 1170.

कृत्यका (von कृत्या) f. Zauberin, böse Fee: लोष्टभिः पाण्डुभिश्चैव तृणैः काष्ठैश्च मुष्टिभिः । अवश्यमेव रुन्याम सार्थस्य किल कृत्यकाम् ॥ N. (BOPP 13, 29. BOPP: vexatrix, WILS.: कृत्यका an injurer, wohl nach BOPP.

कृत्यचिन्तामणि (कृ + चि) m. Titel eines Commentars ROTH, Zur L. u. G. d. W. 53. Ind. St. 4, 60.

कृत्यतत्त्व (कृ + त) n. das Wahre der Obiegenheiten. Titel eines Werkes GILD. Bibl. 463.

कृत्यता s. u. कृत्य 1, b.

कृत्यरत्नाकर (कृत्य + र) f. Titel eines juristischen Werkes Verz. d. B. H. No. 1403 (री).

कृत्यवत् (von कृत्य) adj. 1) in einem Geschäft begriffen, ein Geschäft —, ein Anliegen habend: ते ऽपश्यन्ब्राह्मणं श्याममापन्नं पलितं कृशम् ।